गोलू का घर

(कहानी)

4

गोलू एक छोटा-सा प्यारा घोंघा था। वह एक बगीचे में रहता था। उसका बगीचा सूख गया था। इसलिए गोलू को दूसरी जगह जाना पड़ा।

उसने सोचा, नई जगह सबसे न्यारी होनी चाहिए। मैं अब सबसे न्यारी जगह पर रहूँगा। उसके जैसी जगह कहीं और नहीं होगी। यह सोचकर गोलू नई जगह ढूँढने चल दिया।

चलते-चलते वह एक बड़े से बगीचे में पहुँचा। वहाँ सुंदर-सुंदर फूल और कई तरह के पेड़-पौधे थे। पेड़-पौधों की हरी-हरी पत्तियाँ देखकर गोलू खुश हो गया। उसे लगा कि अब उसे नई जगह मिल गई है। उसे अब बहुत दूर भी नहीं जाना पड़ेगा। फिर वह पौधों की पत्तियाँ खाने लगा। उसे पत्तियाँ बहुत स्वादिष्ट लगीं, चटखारे लेकर उसने कई पत्तियाँ खा डालीं।

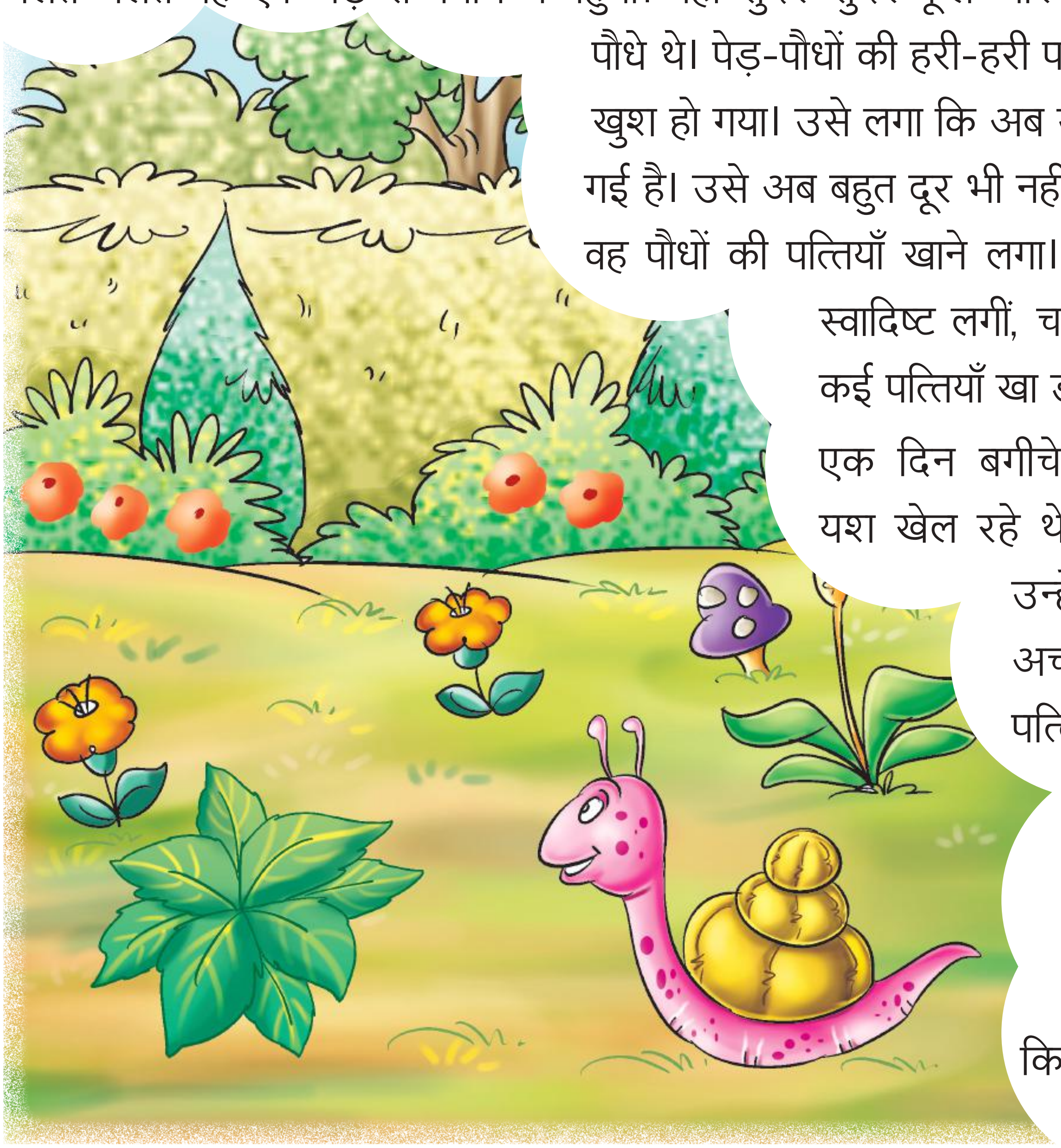

एक दिन बगीचे में अंकिता और यश खेल रहे थे। तभी उनकी माँ उन्हें बुलाने आईं। अचानक माँ की नजर पत्तियों पर पड़ी। उन्हें बहुत क्रोध आया। वे ज़ोर से चिल्लाई– “इन पत्तियों को किसने खाया है?”

माँ की आवाज सुनकर गोलू डर गया। वह एक पत्ती के नीचे छिप गया, जिससे कोई उसे देख न सके। गोलू बहूत देर तक उस पत्ती के नीचे छिपा रहा। थोड़ी देर बाद माँ अंकिता और यश को लेकर अंदर चली गईं।

फिर गोलू जल्दी से बाहर आया। वह समझ गया कि यह जगह सुरक्षित नहीं है। वह उस बगीचे को छोड़कर चल दिया।

धीरे-धीरे रेंगता हुआ गोलू अब सेब के बाग में पहुँचा। वहाँ मीठे-मीठे सेब लगे थे। वह सेब के पेड़ की पत्तियों को खाने के लिए उतावला होने लगा। पर वह माली की बड़ी-बड़ी मूँछें देखकर डर गया और आगे चल दिया।

कुछ दूर जाकर उसे खूब सारे पेड़-पौधे दिखाई दिए। तभी अचानक उसे पानी की छप-छप आवाज सुनाई दी। गोलू खुश होकर तेजी से उधर चल दिया। वहाँ उसे सुंदर झरना दिखाई दिया। झरने के आसपास खूब सारे पेड़-पौधे और फूल थे। वहाँ उसे अपने जैसे कई मित्र भी मिल गए। गोलू बहुत खुश हुआ। अब उसे वहाँ से कहीं नहीं जाना पड़ेगा। उसे एक न्यारी जगह मिल गई थी।

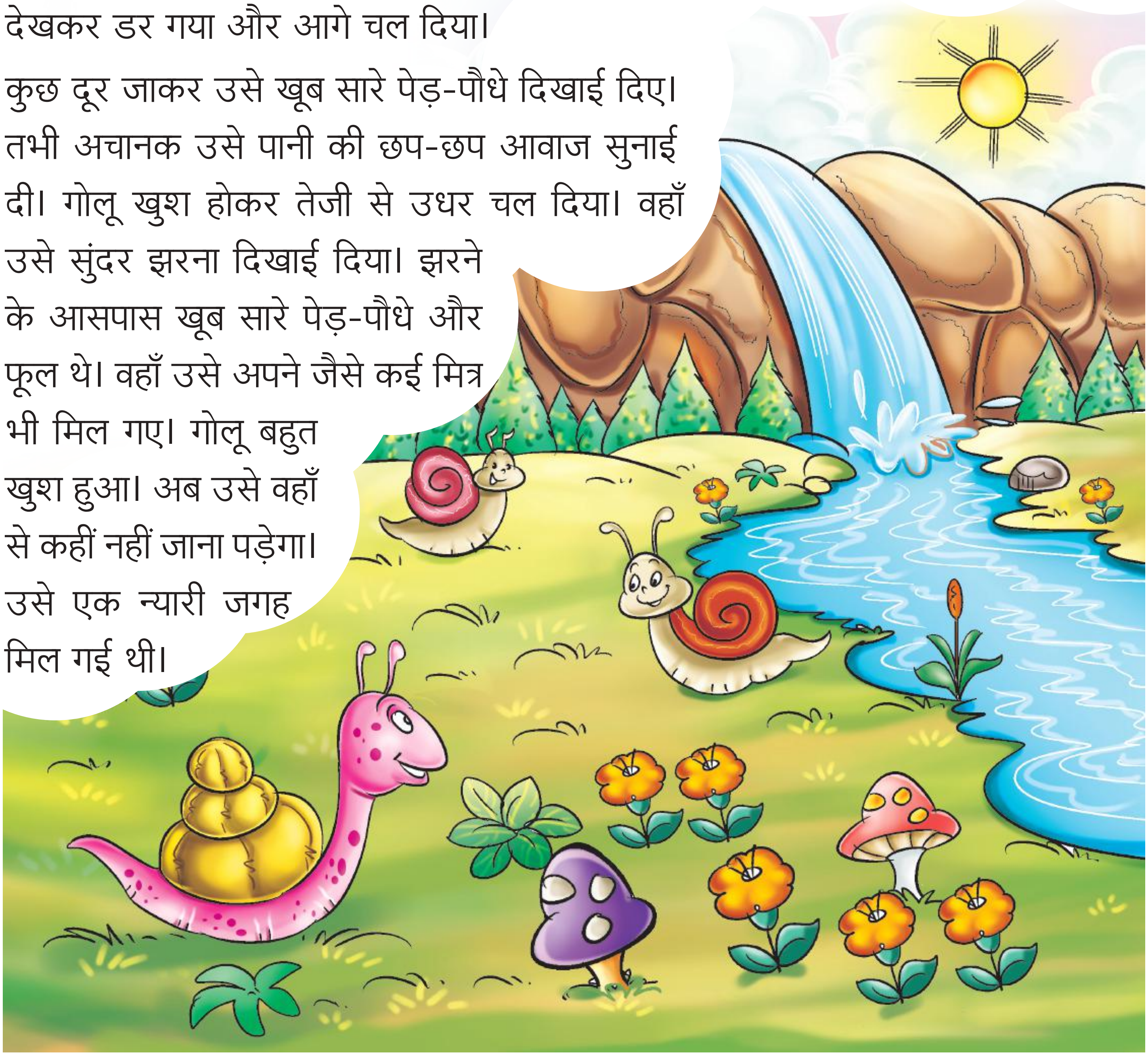

शब्द-भंडार

न्यारी — अनोखी *(unique)*, क्रोध — गुस्सा *(angry)*, स्वादिष्ट — स्वाद से भरा हुआ *(tasty)*, सुरक्षित — ठीक-ठाक *(secure)*, चटखारे लेना — स्वाद लेना *(lip smacking)*, उतावला होना — जल्दी करना *(speedy)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए—

घोंघा	न्यारी	पत्तियाँ	स्वादिष्ट	क्रोध	चिल्लाई
सुरक्षित	उतावला	मूँछें	अचानक	आवाज	झरना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए—

(क) गोलू कौन था?

(ख) गोलू कहाँ रहता था?

(ग) गोलू कैसी जगह जाना चाहता था?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) गोलू एक पत्ती के नीचे क्यों छिप गया?

- ☐ क्योंकि वह दिखाई नहीं देगा, तो सुरक्षित रहेगा।
- ☐ क्योंकि पत्ती का निचला भाग बहुत स्वादिष्ट था।

(ख) गोलू नई जगह क्यों जाना चाहता था?

- ☐ क्योंकि उसे बार-बार जगह बदलने का शौक था।
- ☐ क्योंकि उसका बगीचा सूख गया था।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) बगीचे में कौन खेल रहे थे?

(ख) गोलू कहाँ छिप गया?

(ग) गोलू सेब के पेड़ की पत्तियाँ क्यों नहीं खा सका?

(घ) गोलू को अपनी न्यारी जगह कैसे मिली?

भाषा-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य छाँटकर लिखिए–

(क) गोलू को पत्ती बहुत स्वादिष्ट ....। (लगी/लगीं)

गोलू को पत्तियाँ बहुत स्वादिष्ट ....।

(ख) उसे खूब सारे पेड़-पौधे दिखाई ....। (दिए/दिया)

उसे पौधा दिखाई ....।

2. समान अर्थवाले शब्दों पर गोला ◯ लगाइए।

मित्र	–	आदमी	दुश्मन	दोस्त
न्यारी	–	अनोखी	नई	न्याय
क्रोध	–	प्यार	गुस्सा	हँसी
बगीचा	–	उपवन	मैदान	पाठशाला
खुश	–	उदास	प्रसन्न	दुखी

क्रियात्मक गतिविधि
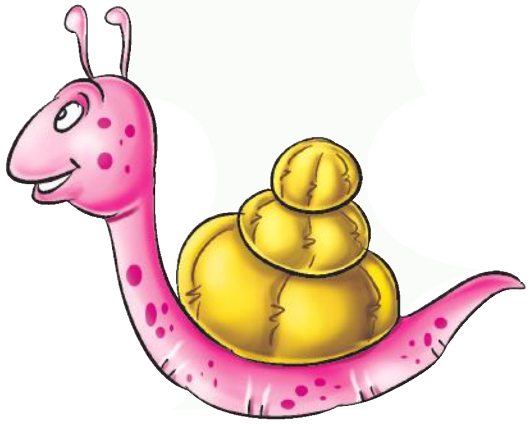
- थर्मोकोल के छोटे-छोटे टुकड़े घोंघे के चित्र में चिपकाइए।